अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

One India, One Emergency Number 112

रजि.न.34300/80 | संख्या 12 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 12 जनवरी 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

विकसित भारत–ग्रामीण रोजगार व आजीविका मिशन विधेयक 2025 से ग्रामीण आजीविका में ऐतिहासिक बदलाव: जीतन राम मांझी

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने कहा कि विकसित भारत–रोज़गार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 ग्रामीण आजीविका उपलब्ध कराने में परिवर्तनकारी सुधार लाएगा। यह अल्पकालिक मजदूरी सहायता से आगे बढ़ते हुए एक व्यापक, परिणामोन्मुख ग्रामीण विकास ढांचा प्रस्तुत करता है, जो विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विज़न के अनुरूप है। वे आज यहां अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि विकसित भारत–जी राम जी विधेयक, 2025 के लाभों के बारे में हितधारकों और लाभार्थियों के बीच व्यापक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। यह विधेयक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेते हुए अधिक समग्र और भविष्य उन्मुख ग्रामीण रोजगार ढांचा प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर प्रभावी संचार और जनसंपर्क आवश्यक है, ताकि ग्रामीण परिवार, पंचायती राज संस्थान और क्रियान्वयन एजेंसियां नए कानून के तहत बेहतर प्रावधानों, सुदृढ़ रोजगार गारंटी, एकीकृत अवसंरचना फोकस और मजबूत जवाबदेही तंत्र को भली–भांति समझ सकें। इससे योजना में बेहतर भागीदारी, पुराने ढांचे से सुचारु संक्रमण और आय सुरक्षा व परिसंपत्ति सृजन के विस्तारित अवसरों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होगा, जिससे यह विधेयक ग्रामीण आजीविका में वास्तविक परिवर्तन ला सकेगा।

मंत्री ने कहा कि यह विधेयक मनरेगा का स्थान लेते हुए एक सशक्त वैधानिक ढांचा स्थापित करता है, जिसके तहत प्रति ग्रामीण परिवार वार्षिक रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण परिवारों की आय सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। दीर्घकालिक परिसंपत्ति सृजन के साथ रोजगार को जोड़कर यह ढांचा अस्थायी आय सहायता के बजाय टिकाऊ आजीविका सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

उन्होंने बताया कि इस विधेयक की एक प्रमुख विशेषता यह है कि मजदूरी रोजगार को चार स्पष्ट प्राथमिक क्षेत्रों में टिकाऊ ग्रामीण अवसंरचना के निर्माण से जोड़ा गया है–जल सुरक्षा, मूल ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका से संबंधित अवसंरचना तथा मौसमी दुर्घटनाओं के प्रभाव को कम करने हेतु विशेष कार्य। यह एकीकृत दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि सार्वजनिक व्यय न केवल तात्कालिक रोजगार दे, बल्कि कृषि, ग्रामीण उद्यमों और जलवायु सहनशीलता को समर्थन देने वाली उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण भी करे।

जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के महत्व पर बल देते हुए मंत्री ने कहा कि यह विधेयक विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से विकेंद्रीकृत योजना को सुदृढ़ करता है, जिन्हें गांवों की विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के आधार पर स्थानीय स्तर पर तैयार किया जाएगा। इन योजनाओं को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक के माध्यम से डिजिटल और स्थानिक रूप से राष्ट्रीय प्रणालियों से जोड़ा जाएगा, जिससे पीएम गति शक्ति जैसे राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ समन्वय सुनिश्चित होगा।

वित्त पोषण पैटर्न के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि योजना में केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 का लागत साझाकरण होगा। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए यह अनुपात 90:10 रहेगा, जबकि विधानमंडल रहित केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्तपोषण का प्रावधान है। प्राकृतिक आपदाओं और आपात स्थितियों के दौरान अतिरिक्त सहायता तथा सशक्त निगरानी तंत्र

शेष पृष्ठ 4 पर

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने सांसद बिष्णु पद राय के साथ अण्डमान–निकोबार में एमएसएमई पहलों की प्रगति की समीक्षा की

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

भारत सरकार के माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने आज अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय के साथ मिलकर केंद्र शासित प्रदेश में एमएसएमई से जुड़ी विभिन्न पहलों की प्रगति, पहुंच और प्रभाव की समीक्षा की। यह बैठक लोक निवास एनेक्स, कॉर्बिन्स कोव में आयोजित की गई।

बैठक में उद्योग, कृषि, पर्यटन, जहाजरानी, पत्तन प्रबंध बोर्ड सहित विभिन्न विभागों तथा एमएसएमई–डीएफओ, कोयर बोर्ड और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान माननीय मंत्री ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), पीएम विश्वकर्मा योजना सहित अन्य एमएसएमई योजनाओं की समीक्षा की और इनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की।

श्री विजय पुरम में एमएसएमई मुख्यालय की स्थापना होगी, योजनाओं के क्रियान्वयन को मिलेगी गतिः केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने घोषणा की कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में केंद्र सरकार की एमएसएमई योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को और तेज़ करने के उद्देश्य से श्री विजय पुरम में एक एमएसएमई मुख्यालय स्थापित किया जाएगा। मंत्री आज यहां अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

माननीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में द्वीपसमूह में एमएसएमई से संबंधित गतिविधियों का प्रशासन कोलकाता मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। श्री विजय पुरम में समर्पित एमएसएमई मुख्यालय की स्थापना से द्वीपसमूह में एमएसएमई लाभार्थियों के लिए बनाई गई योजनाओं की प्रत्यक्ष निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो सकेगा। इससे कोयर बोर्ड, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) तथा राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के अंतर्गत आने वाली इकाइयों और संगठनों को भी सशक्त संस्थागत समर्थन मिलेगा।

श्री मांझी ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय के अधीन कार्यरत कोयर बोर्ड, केवीआईसी और एनएसआईसी देशभर में पारंपरिक, ग्रामीण और लघु उद्योगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये संस्थान कारीगरों की आजीविका, ग्राम उद्योगों और उद्यमिता को समर्थन देकर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में उल्लेखनीय योगदान करते हैं। मंत्री ने विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले वर्गों, पारंपरिक पेशों से जुड़े लोगों तथा अन्य स्वरोज़गार कारीगरों के बीच एमएसएमई योजनाओं के प्रति अधिक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लक्षित जनसंपर्क और जागरूकता अभियानों से ये वर्ग एमएसएमई योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे, अपनी आजीविका में सुधार कर सकेंगे और औपचारिक आर्थिक व्यवस्था का हिस्सा बन सकेंगे।

माननीय मंत्री ने कहा कि श्री विजय पुरम में एमएसएमई मुख्यालय की स्थापना अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एमएसएमई प्रशासन को सुदृढ़ करने, सेवा वितरण में सुधार लाने और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी ने श्री विजय पुरम में कोयर बोर्ड के फील्ड ट्रेनिंग सेंटर का किया दौरा

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की अपनी आधिकारिक यात्रा के तहत, केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने 7 जनवरी को रात्री निवास, हैडो, श्री विजय पुरम स्थित अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एसआरओ के अंतर्गत आने वाले कोयर बोर्ड के फील्ड ट्रेनिंग सेंटर का दौरा किया।

दौरे के दौरान मंत्री ने प्रशिक्षण केंद्र की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों से संवाद किया। उन्होंने पीएम विश्वकर्मा योजना के क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली और प्रशिक्षुओं से फीडबैक भी प्राप्त किया।

यहां प्राप्त एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रशिक्षुओं ने मंत्री को बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद कोयर बोर्ड, श्री विजय पुरम कार्यालय के अधिकारियों द्वारा केंद्र में व्यावहारिक मूल्यांकन किया गया। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र के साथ–साथ वजीफा प्रदान किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि इसके पश्चात

कोयर बोर्ड द्वारा तीन दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का आयोजन किया गया, जो उनके कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

निम्बूतला के रमन बगीचा समुद्री तट पर दो दिवसीय बीच स्पोर्ट्स फेस्टिवल का सफल आयोजन

रंगत, मध्य अंडमान, 11 जनवरी

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कैलेंडर ऑफ इवेंट्स 2025–2026 के तहत पर्यटन विभाग द्वारा सहायक आयुक्त, मध्य अण्डमान के कार्यालय, ग्राम पंचायत निंबूतला तथा अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से रमन बगीचा बीच, निंबूतला में दो दिवसीय बीच स्पोर्ट्स फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उत्सव के दौरान पुरुषों एवं महिलाओं के लिए बीच वॉलीबॉल, बीच कबड्डी और रस्साकशी जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त महिलाओं के लिए विशेष रूप से म्यूजिकल चेयर और पासिंग द बॉल जैसी मनोरंजक गतिविधियां भी रखी गईं। कार्यक्रम के दौरान स्थल पर उत्सवपूर्ण और जीवंत वातावरण देखने को मिला।

बीच स्पोर्ट्स फेस्टिवल का समापन आज रमन बगीचा समुद्री तट, निम्बूतला में आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ। समारोह में श्री विकाश कुमार, सहायक आयुक्त, मध्य अण्डमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। इस अवसर पर विजेताओं और प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार भी वितरित किए गए।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उत्सव का सफल आयोजन प्रशासन की पर्यटन, खेल और जमीनी स्तर पर सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार निकोबार में डीडीयू–जीकेवाई के तहत गाँव–से–गाँव जागरूकता अभियान आयोजित

कार निकोबार, 11 जनवरी

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना डीडीयू–जीकेवाई के अंतर्गत गाँव–से–गाँव संपर्क अभियान, जो ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार सृजन हेतु भारत सरकार की एक योजना है, का आयोजन कल ककाना सामुदायिक भवन में सीडी ब्लॉक, कार निकोबार द्वारा कृषि विभाग, कार निकोबार के सहयोग से किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसान उत्पादक संगठन के गठन पर ध्यान केंद्रित करना तथा कृषक समुदाय को सामूहिक खेती, बाजार से जुड़ाव और सतत कृषि के लाभों के प्रति जागरूक करना था। सत्र के दौरान कृषि अधिकारी, कार निकोबार; विस्तार अधिकारी (प्रभारी), सामुदायिक विकास खंड; क्लस्टर समन्वयक, ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) तथा डीडीयू–जीकेवाई के डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। विस्तार अधिकारी (प्रभारी), सामुदायिक विकास खंड, कार निकोबार ने वीबी–जी राम जी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत रोजगार एवं आजीविका मिशन (नारियल सुखाना) तथा डीडीयू–जीकेवाई 2.0 के अंतर्गत निःशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण

की जानकारी दी। यहाँ प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कृषि अधिकारी, कार निकोबार ने कोपरा निर्माण के दौरान नमी की मात्रा को कम करने हेतु यंत्रीकृत प्रसंस्करण के महत्व एवं लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समुदाय समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को बहुद्देशीय फार्म, पेरका में स्थापित यंत्रीकृत कोपरा सुखाने एवं वैक्यूम पैकेजिंग इकाई के संचालन की जिम्मेदारी संभालने के लिए प्रेरित किया। विभाग में स्थापित यह इकाई कोपरा की गुणवत्ता एवं बाजार मूल्य बढ़ाने में सहायक है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त नारियल तेल निष्कर्षण इकाइयों (कोल्ड एवं हॉट प्रेस), नारियल आधारित हस्तशिल्प तथा मूल्यवर्धित उत्पादों जैसे नारियल खोल शिल्प, रस्सियाँ, कॉयर मैट, चारकोल एवं कन्फेक्शनरी वस्तुओं के विकास की भी संभावनाएँ बताई गईं। यह पहल ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने और लघु किसानों के सशक्तिकरण में सहायक हैं। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, किसानों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर नॉर्थ बे रोड मैराथन–6.0 का सफल आयोजन, 215 प्रतिभागियों ने भाग लिया

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आज शिक्षा एवं खेल निदेशालय के अंतर्गत उप शिक्षा अधिकारी, विम्बर्लीगंज द्वारा "नॉर्थ बे रोड मैराथन–6.0" का आयोजन किया गया। यह मैराथन सभी के लिए खुली थी, जिसमें पुरुषों एवं विद्यालयी छात्रों के लिए 10 किलोमीटर तथा महिलाओं एवं विम्बर्लीगंज शैक्षिक ज़ोन की छात्राओं के लिए 5 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की गई। मैराथन का मार्ग चुन्नाभट्टा (राम मंदिर) से नॉर्थ बे तक और वापस निर्धारित किया गया था।

इस मैराथन में लगभग 215 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुरुषों एवं विद्यालयी छात्रों की "ओपन टू ऑल" श्रेणी को लेफ्टिनेंट कर्नल सचिन पावस्कर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जबकि महिलाओं एवं छात्राओं की "ओपन टू ऑल" श्रेणी को डॉ. मनोहरन, उप शिक्षा अधिकारी, विम्बर्लीगंज ने रवाना किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विक्रम सिंह, निदेशक (शिक्षा) थे। अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे हर महीने आयोजित होने वाली इस मैराथन में भाग लें तथा 8 फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाली "अंडमान मैराथन" में भी सहभागिता करें। उन्होंने बताया कि यह मैराथन एक मासिक आयोजन है और सभी से नियमित रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में सुश्री मरियम बीबी, जिला परिषद

सदस्य, बम्बूफ्लाट, श्री पी. अब्दुल बशीर, प्रधान, कन्यापुरम पंचायत तथा श्री वेंकट राम बाबू, प्रधान, विम्बर्लीगंज पंचायत उपस्थित रहे। नकद पुरस्कारों का प्रायोजन केनरा बैंक, श्री विजय पुरम द्वारा किया गया।

शेष पृष्ठ 4 पर

विकसित भारत–ग्रामीण रोजगार व आजीविका

———पृष्ठ 1 का शेष

से सार्वजनिक धन की सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित की जाएगी।

परिचालन विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा कि विधेयक एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों की मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है, जिसमें बुवाई और कटाई के चरम मौसम के दौरान कुल 60 दिनों का नो–वर्क पीरियड शामिल है। इससे कृषि श्रम की उपलब्धता बनी रहेगी और शेष अवधि में श्रमिकों को पूर्ण रोजगार अधिकार भी मिलेगा, जिससे किसानों और श्रमिकों–दोनों के हितों में संतुलन बनेगा। यह विधेयक रोजगार सृजन को उत्पादक परिसंपत्ति निर्माण से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा, जिससे घरेलू आय, कृषि उत्पादकता और बाजार पहुंच में सुधार होगा।

मंत्री ने आगे कहा कि यह विधेयक राष्ट्रीय, राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर समन्वित एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट संस्थागत और प्रवर्तन ढांचा स्थापित करता है। एआई–सक्षम विश्लेषण, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, जीपीएस एवं मोबाइल आधारित रियल–टाइम निगरानी, एमआईएस डैशबोर्ड, साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण और प्रत्येक छह माह में अनिवार्य सामाजिक अंकेक्षण जैसी व्यापक पारदर्शिता जवाबदेही व्यवस्थाएं, सामुदायिक भागीदारी और जनविश्वास को मजबूत करेंगी।

ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने में एमएसएमई की भूमिका को रेखांकित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार उद्यम इकोसिस्टम को भी सशक्त कर रही है, ताकि ग्रामीण और ग्राम–आधारित उद्यम नए रोजगार और अवसंरचना ढांचे का पूरा लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि उद्यम पंजीकरण एक सरल, ऑनलाइन और पेपरलेस प्रक्रिया के माध्यम से एमएसएमई को औपचारिक मान्यता देता है, जिससे उद्यमियों को ऋण, सब्सिडी, कौशल विकास सहायता और बाजार संपर्क प्राप्त होता है।

मंत्री ने यह भी कहा कि उद्यम श्रेष्ठ जैसी पहलें एमएसएमई को विस्तार, उत्पादकता बढ़ाने और आधुनिक तकनीक अपनाने में सक्षम बना रही हैं। इसके माध्यम से उच्च प्रदर्शन और विकासोन्मुख उद्यमों को गुणवत्ता मानकों, डिजिटलीकरण और बाजार पहुंच.जिसमें राष्ट्रीय एवं वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भागीदारी शामिल है–के लिए समर्थन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण रोजगार, अवसंरचना निर्माण और एमएसएमई समर्थन का यह समन्वय टिकाऊ आजीविका, उद्यमिता को बढ़ावा देने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर नॉर्थ बे रोड मैराथन–6.0 का

———पृष्ठ 1 का शेष

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सुश्री मरियम बीबी, जिला परिषद सदस्य, बम्बूफ्लाट द्वारा दिया गया। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नकद पुरस्कार और पदक प्रदान किए गए।

पुरुष 10 किलोमीटर विजेता	
पहला	आनंद कुमार
दूसरा	एस. जसवंत
तीसरा	प्रीतम दास
सांत्वना	चेल्ला लक्ष्मी नायडू
महिला 5 किलोमीटर	
पहला	अर्पिता टोप्पो
दूसरा	संजना बाई
तीसरा	अपूर्वा नाथ
सांत्वना	विनीता लकड़ा

छात्रों का विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचल 10 किलोमीटर	
पहला	गाना प्रसाद
दूसरा	गणेश कुमार
तीसरा	सुजीत दास
सांत्वना	सुमित कुमार सोरेंग
छात्राओं विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचल 5 किलोमीटर	
पहला	साक्षी
दूसरा	रिया मुंडा
तीसरा	अभिनय श्री
सांत्वना	एल. हर्षिनी

रेस्तरां द्वारा अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क लगाना उपभोक्ता कानून का उल्लंघन

रेस्तरां द्वारा अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क लगाना उपभोक्ता कानून का उल्लंघनः सीसीपीए

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं को अपनाने के लिए देश भर में 27 रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिया है ,जो सेवा शुल्क की अनिवार्य लेवी से संबंधित है।

यह कार्रवाई दिल्ली उच्च न्यायालय के 28 मार्च 2025 के फैसले के बाद की गई है जिसमें सेवा शुल्क लगाने के संबंध में सीसीपीए द्वारा जारी दिशानिर्देशों को बरकरार रखा गया था। न्यायालय ने माना कि रेस्तरां द्वारा अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क वसूलना कानून के विरुद्ध है और कहा कि सभी रेस्तरां प्रतिष्ठानों को सीसीपीए के दिशानिर्देशों का पालन करना आवश्यक है। न्यायालय ने यह भी पुष्टि की कि सीसीपीए कानून के अनुसार अपने दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए पूर्ण रूप से सशक्त है।

होटल और रेस्तरां में सेवा शुल्क लगाने के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोकथाम और उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए सीसीपीए द्वारा 4 जुलाई 2022 को जारी किए गए दिशानिर्देशों में यह निर्धारित किया गया है कि:

- कोई भी होटल या रेस्तरां खाने के बिल में स्वचालित रूप से या जानबूझकर से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा।
- किसी भी अन्य नाम से सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा।
- उपभोक्ताओं को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा और उन्हें स्पष्ट रूप से सूचित किया जाना चाहिए कि यह स्वैच्छिक और वैकल्पिक है।
- सेवा शुल्क का भुगतान करने से इनकार करने पर प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।
- बिल में सेवा शुल्क नहीं जोड़ा जाएगा और इस पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

जांच से पता चला कि कैफे ब्लू बॉटल, पटना और चाइना गेट रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड (बोरा बोरा) , मुंबई सहित कई रेस्टोरेंट, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और सीसीपीए दिशानिर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए, स्वतः ही 10 प्रतिशत सेवा शुल्क वसूल रहे थे, जिसे अब दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी बरकरार रखा है।

यह कार्रवाई राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें सेवा शुल्क की जानबूझकर अतिरिक्त राशि दर्शाने वाले बिल भी शामिल थे। विस्तृत जांच से यह सिद्ध हुआ कि इस प्रकार की प्रथा अधिनियम की धारा 2(47) के अंतर्गत अनुचित व्यापार व्यवहार है।

- पटना स्थित कैफे ब्लू बॉटल के मामले में, सीसीपीए ने रेस्तरां को निम्नलिखित निर्देश दिए:
- उपभोक्ता को सेवा शुल्क की पूरी राशि वापस करें
- सेवा शुल्क लगाने की प्रथा को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए 30,000 रुपये का जुर्माना अदा करें

मुंबई के बोरा बोरा स्थित चाइना गेट रेस्टोरेंट प्राइवेट लिमिटेड के मामले में , रेस्टोरेंट ने सुनवाई के दौरान सेवा शुल्क वापस कर दिया। सीसीपीए ने रेस्टोरेंट को आगे निम्नलिखित निर्देश दिए:

- इसके सॉफ्टवेयर–जनरेटेड बिलिंग सिस्टम को संशोधित करें ताकि जानबूझकर रूप से सेवा शुल्क या इसी तरह के किसी भी शुल्क को न जोड़ा जाए।
- उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन और अनुचित व्यापार प्रथा के लिए 50,000 रुपये का जुर्माना अदा करें।
- यह सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर उपलब्ध इसकी ईमेल आईडी, अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से उपभोक्ता शिकायतों के प्रभावी निवारण के लिए, हर समय सक्रिय और कार्यशील बनी रहे।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर सेवा शुल्क लगाने के संबंध में प्राप्त शिकायतों पर कड़ी निगरानी रख रहा है और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा करने और अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोकने के लिए नियमों का पालन न करने वाले रेस्तरां के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना जारी रखेगा।

दक्षिण अण्डमान के मत्स्य हितधारकों से पीएमएमएसवाई के अंतर्गत बीमा लाभ प्राप्त करने के लिए एनएफडीपी पोर्टल पर पंजीकरण की अपील

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

दक्षिण अण्डमान ज़िले के अंतर्गत सभी मछुआरों, मछली पालकों, मत्स्य श्रमिकों, मछली विक्रेताओं, मत्स्य विकास निगमों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), मत्स्य क्षेत्र में संयुक्त दायित्व समूहों, मत्स्य सहकारी समितियों, मत्स्य महासंघों, मछली किसान उत्पादक संगठनों तथा मत्स्य एवं संबद्ध गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है कि वे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत क्रियान्वित समूह दुर्घटना बीमा योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के राष्ट्रीय मत्स्य विकास मंच (एनएफडीपी) पर अपना पंजीकरण कराएं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पात्र लाभार्थी एनएफडीपी पोर्टल (**https://nfdp.dof.gov.in/nfdp/#**) पर पंजीकरण हेतु अपने निकटतम सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) से संपर्क कर सकते हैं अथवा दक्षिण अण्डमान ज़िले के अंतर्गत अपने संबंधित क्षेत्र के मत्स्य अधिकारियों/स्टेशन प्रभारी/मत्स्य उप–स्टेशनों/क्षेत्रीय मत्स्य कार्यालय से पंजीकरण एवं आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

एकल–उपयोग प्लास्टिक के विकल्पों पर पांच दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम 5 फरवरी से

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

सीपीआर पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सीपीआरईईसी)–(ईआईएसीपी) द्वारा भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता विकास एवं आजीविका कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों एवं महिलाओं के लिए "एकल–उपयोग प्लास्टिक के विकल्प के रूप में शिल्प विकास–कचरे से संपदा" विषय पर पाँच दिवसीय क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 से 10 फरवरी, 2025 तक सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक, पार्षद कार्यालय सभागार, वार्ड संख्या–19, भातूबस्ती, श्री विजय पुरम में आयोजित किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम एसएचजी सदस्यों एवं महिलाओं के तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने के साथ–साथ अपशिष्ट सामग्री का उपयोग कर पर्यावरण–अनुकूल शिल्प विकास के माध्यम से सतत आजीविका के अवसरों एवं स्वरोज़गार को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है, जिससे एकल–उपयोग प्लास्टिक के विकल्पों को बढ़ावा दिया जा सके। कार्यक्रम के लिए कुल 50 सीटें उपलब्ध हैं। इच्छुक प्रतिभागी 2 फरवरी, 2025 तक लिंक **https://forms.gle/kWkyCPKYF7wuG62p7** के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी एवं स्पष्टीकरण हेतु प्रतिभागी 9474224389 (व्हाट्सएप)/9933282500 अथवा ई–मेल **cpreecan@gmail.com** पर संपर्क कर सकते हैं।

लिटिल अण्डमान तथा ओपन शतरंज टूर्नामेंट का सफल समापन

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

लिटिल अण्डमान तथा ओपन शतरंज टूर्नामेंट का कल सायं लिटिल अण्डमान तथा के मनोरम चिदंबरम पार्क, हटबे में सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह आयोजन लिटिल अण्डमान तथा में शतरंज के प्रचार–प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध हुआ। अण्डमान तथा एवं निकोबार प्रशासन के शिक्षा निदेशालय द्वारा लिटिल अण्डमान तथा शैक्षिक अंचल तथा पीआरआई, लिटिल अण्डमान तथा के सहयोग से आयोजित इस टूर्नामेंट में पूरे लिटिल अण्डमान तथा से शतरंज खिलाड़ियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

समुद्र तट के समीप खुले पार्क क्षेत्र में रोशनी के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता ने खिलाड़ियों को एक अनूठा एवं ताज़गीभरा अनुभव प्रदान किया। शांत तटीय वातावरण ने प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ खूबसूरती से जोड़ा। उल्लेखनीय है कि यह लिटिल अण्डमान तथा में अपने प्रकार का पहला आयोजन था, जिसने चिदंबरम पार्क को गहन एकाग्रता, रणनीतिक मुकाबलों और उत्कृष्ट खेल भावना से जीवंत कर दिया। इस अवसर पर पंचायत समिति, लिटिल अण्डमान तथा के प्रमुख श्री एस. परमनाथन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि हटबे के प्रधान श्री के. रुद्रमूर्ति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

पाँच कड़े और रोमांचक राउंड के बाद, बेहतर टाई–ब्रेक के आधार पर श्री मनोज कुमार दास ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अश्विन ने भी पाँच अंक अर्जित करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में श्री धनराज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग में निश्ता मलाकर प्रथम, ऋषिक कुमार बी. द्वितीय तथा अप्रुप मिंज तृतीय स्थान पर रहे। शिक्षा निदेशालय के सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा/खेल) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विजेताओं को प्रमुख एवं ज़ोनल अधिकारी द्वारा ट्रॉफियाँ प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिसके साथ प्रतियोगिता का गरिमामय समापन हुआ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, ब्रिचगंज, सैन्य स्टेशन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण समिति (एएनएसीएस) ने रक्त केंद्र, जी बी पंत अस्पताल, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के साथ मिलकर तथा कमांडिंग ऑफिसर की ओर से मेजर दीपक सिंह, आरएमओ के सहयोग से 9 जनवरी, 2026 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के ब्रिचगंज सैन्य स्टेशन स्थित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा कुल 45 यूनिट रक्त दान किया गया।

यह शिविर डॉ. सुब्रत साहा, परियोजना निदेशक, अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण समिति तथा निदेशक, राज्य रक्ताधान परिषद, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

रक्तदान शिविर को डॉ. शाज़िया सुल्ताना, अनिम्स, जी बी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम द्वारा सुगम बनाया गया। रक्तदाताओं की रक्तदान हेतु पात्रता की जांच की गई तथा उन्हें रक्तदान के विभिन्न पहलुओं एवं उसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

कमांडिंग ऑफिसर की ओर से मेजर दीपक सिंह, आरएमओ ने शिविर का आयोजन किया और इसे सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं कीं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार जीबी पंत अस्पताल, श्री विजय पुरम के रक्त केंद्र तथा अण्डमान तथा निकोबार एड्स नियंत्रण समिति की तकनीकी टीम ने यह सुनिश्चित किया कि दान किए गए रक्त यूनिट्स की रक्त–जनित रोगों के लिए जांच की जाए। उन्होंने रक्तदाताओं की पात्रता मानदंडों के अनुसार जांच भी की। स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

उत्तर–पूर्वी मानसून की कमी के मद्देनज़र पेयजल के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु अपील

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी।

वर्तमान उत्तर–पूर्वी मानसून के दौरान वर्षा में उल्लेखनीय कमी दर्ज़ की गई है, जिसकी प्रशासन द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इस कमी के कारण जलाशयों के जलस्तर, भूजल पुनर्भरण तथा विभिन्न सतही जल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए आने वाले महीनों में पेयजल की उपलब्धता को लेकर चिंताएँ उत्पन्न हुई हैं। उपलब्ध जल संसाधनों के संरक्षण हेतु प्रशासन सभी नागरिकों, संस्थानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से सहयोग की अपेक्षा करता है। पेयजल का उपयोग मुख्यतः आवश्यक कार्यों जैसे–पेय, भोजन पकाने तथा मूलभूत स्वच्छता तक ही सीमित रखने का अनुरोध किया जाता है।

सार्वजनिक हित में गैर–आवश्यक उपयोगों, जैसे वाहनों की धुलाई, उद्यानों में अत्यधिक सिंचाई तथा इसी प्रकार की अन्य गतिविधियों से परहेज करने का अनुरोध है, ताकि सामुदायिक आवश्यकताओं के लिए जल का संरक्षण किया जा सके। नागरिकों एवं प्रतिष्ठानों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने आंतरिक जल आपूर्ति ढांचे का समय पर रखरखाव सुनिश्चित करें। टपकते नल, पाइपलाइनों एवं फिटिंग्स की शीघ्र मरम्मत से अनावश्यक जल अपव्यय में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

निर्माण एजेंसियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी जल आवश्यकताओं हेतु वैकल्पिक व्यवस्था करें तथा निर्माण कार्यों में पाइपलाइन से उपलब्ध पेयजल का उपयोग न करें, जिससे घरेलू आवश्यकताओं की पर्याप्त पूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन जल की निष्पक्ष एवं समान वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु स्थिति पर निरंतर निगरानी रखे हुए है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए जनभागीदारी एवं ज़िम्मेदार उपयोग अत्यंत आवश्यक है। सभी वर्गों से जल अपव्यय से बचने हेतु सहयोग का विनम्र अनुरोध किया जाता है। प्राप्त विज्ञप्ति में कहा गया है विवेकपूर्ण उपयोग एवं सामूहिक संरक्षण प्रयासों के माध्यम से हम मानसून की कमी के प्रभाव को कम कर सकते हैं। जनसाधारण से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा है–जैसा कि कहा जाता है, "साथ मिलकर हम यह कर सकते हैं।"

विवेकानंद मेला के अवसर पर श्री विजय पुरम–शहीद द्वीप के बीच अतिस्क्ति फेरी सेवा

श्री विजय पुरम, 11 जनवरी

यात्रियों/आम जनता को सूचित किया गया है कि शहीद द्वीप में आयोजित होने वाले विवेकानंद मेला के उपलक्ष्य में जहाज़रानी सेवा निदेशालय द्वारा श्री विजय पुरम–शहीद द्वीप–श्री विजय पुरम के बीच 12 से 19 जनवरी तक अतिरिक्त फेरी सेवा की व्यवस्था की गई है, जिसका संचालन नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा। उक्त यात्राओं के लिए यात्री टिकट 09.01.2026 (शुक्रवार) से जारी किए जाएंगे।

तिथि	आगमन	बंदरगाह	प्रस्थान
12 जनवरी, 2026 से 19 जनवरी, 2026	–	श्री विजय पुरम	दोपहर 1 बजे
	दोपहर 2.45 बजे	शहीद द्वीप	शाम 3 बजे
	शाम 4.45 बजे	श्री विजय पुरम	–

जहाज़रानी सेवा निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार टिकट डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल **https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं, जो सभी दिनों में 24X7 उपलब्ध है। यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ा एक क्यूआर कोड भी प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, टिकट स्टार्स टिकटिंग काउंटर से सभी कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक तथा शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक भी बुक किए जा सकते हैं।

Scan QR Code to open on mobile.

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) एस. बिजू पिल्लै
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, श्री विजय पुरम

ऑनलाईन साक्षात्कार

सं. 4–14/स्था./स्वा.से.नि./2025/73, दिनांक 07 जनवरी, 2026

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री विजय पुरम द्वारा कार्यग्रहण अवधि से एक वर्ष की अवधि के लिए या नियमित पदधारी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, अनुबंध आधार पर निम्न पद के लिए 'ऑनलाईन साक्षात्कार' का आयोजन किया जाएगा।

पद का नाम	रिक्ति संख्या	अर्हता एवं पारितोषिक
शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ चिकित्सा विशेषज्ञ एनेसथेटिस्ट स्त्री रोग विशेषज्ञ त्वचा रोग विशेषज्ञ नेत्र रोग विशेषज्ञ मनोचिकित्सक टी.बी एवं छाती रोग विशेषज्ञ	07 पद 07 पद 06 पद 08 पद 01 पद 02 पद 01 पद 01 पद	**अनिवार्य अर्हता**–भारतीय चिकित्सा परिषद् (MCI) के प्रचलित मानकों के अनुसार **आयु सीमा**– 65 वर्ष से कम को वरियता पारितोषिक : • रु. 2.5 लाख/माह (दक्षिण अण्डमान में कार्यरत विशेषज्ञ) • रु. 2.75 लाख/माह (उत्तर एवं मध्य अण्डमान में कार्यरत विशेषज्ञ) • रु. 3.00 लाख/माह (निकोबार जिला में कार्यरत विशेषज्ञ) ▪ ऑनलाईन के माध्यम से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनाँक 20/01/2026 के शाम 4.00 बजे तक है। ▪ योग्य उम्मीद्वारों की सूची स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के वेबसाइट https://dhs.andamannicobar.gov.in में दिनाँक 27/01/2026 को प्रकाशित की जाएगी। ▪ गूगलमीट के माध्यम से ऑनलाईन साक्षात्कार आयोजित करने की अंतिम तिथि 29/01/2026 से 30/01/2026 (समय : सुबह 10.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक) है। संपर्क सं. 03192–233331 ▪ अधिक विवरण के लिए प्रशासन की वेवसाईट https://andamannicobar.gov.in/ और स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की वेबसाइट https://dhs.andamannicobar.gov.in/ देखें।

इच्छुक योग्य उम्मीद्वारों को प्रासंगिक दस्तावेजों (स्व–साक्ष्यांकित) की सॉफ्ट कॉपी के साथ अपने आवेदन स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के वेबसाईट https://dhs.andamannicobar.gov.in/ में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के ई–मेल adadhspb@gmail.com में जमा करना होगा।

पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :–

1) आयु प्रमाणपत्र 2) स्नातक डिग्री प्रमाणपत्र 3) स्नातकोत्तर डिग्री प्रमाणपत्र 4) पंजीकरण प्रमाणपत्र 5) अनुभव प्रमाणपत्र 6) आधार कार्ड 7) पैन कार्ड।

चयनित उम्मीदवारों के मूल दस्तावेजों का सत्यापन नियुक्ति पर डयूटी रिपोर्ट करने पर किया जाएगा।

बिना कोई कारण बताए किसी भी आवेदन को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार चयन समिति के पास सुरक्षित है और इस मामले में आगे कोई भी पत्राचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के वेबसाईट https://dhs.andamannicobar.gov.in में उपलब्ध अन्य सभी निबंधन एवं शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

नोट :– उपरोक्त अनुसूची अंतिम है और चयन समिति की उपलब्धता पर निर्भर करते हुए इसमें किसी भी स्तर पर परिवर्तन हो सकती है। किए गए किसी भी परिवर्तन को स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के वेबसाईट https://dhs.andamannicobar.gov.in में अपलोड कर दिया जाएगा।" ऑनलाईन साक्षात्कार" के किसी भी स्तर पर उपरोक्त तिथि एवं समय को पुनर्निर्धारित करने का अधिकार स्वास्थ्य सेवा निदेशक के पास सुरक्षित है।

सहायक निदेशक (प्रशासन)
स्वास्थ्य सेवा निदेशालय

ई–निविदा आमंत्रित सूचना

F.No. e-Tender/DB/SD/2025-26/1062 दिनांक 05.01.2026

कार्यपालक अभियंता, स्टोर डिवीजन, अलोनिवि, श्री विजय पुरम भारत के राष्ट्रपति की ओर से मान्य लाइसेंस धारक के साथ अनुमोदित और पात्र कार्गो शिप मालिक से ऑनलाइन आइटम दर ई–निविदाएं (सीपीडब्ल्यूडी–8 के रूप में) आमंत्रित करता है बशर्ते कि उन्हें अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह में किसी भी सरकारी विभाग में लागत के संदर्भ में समान प्रकृति के काम को सफलतापूर्वक पूरा करने का अनुभव है और उन्हें निम्नलिखित कार्य के लिए कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं होनी चाहिए।

NIT No: 13/EE/SD/DB/2025-26

कार्य का नाम : वर्ष 2025–26 के दौरान भण्डार मण्डल, अ॰लो॰नि॰वि॰, श्री विजय पुरम के अधीन स्टॉक का अर्जन।

उपकार्य : इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, चेन्नई से सेंट्रल स्टोर, अलोनिवि, फीनिक्स बे, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह तक बिटुमेन का संग्रहण और परिवहन।

अनुमानित लागत : रु. 52,23,660/–, बयाना राशि : रु. 1,04,473/–, कार्य समाप्ति की अवधि : 02 (एक) माह।

बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 21/01/2026 के सुबह 10.00 बजे।

बोली खुलने की तारीख : 21/01/2026 के सुबह 11.00 बजे।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण ई–खरीद पोर्टल www.eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते है।

कार्यपालक अभियंता
भण्डार मण्डल, अ॰लो॰नि॰वि॰, श्री विजय पुरम

करियर की नई राहः 2026 में नौकरी की तलाश की तस्वीर बदलेगी, 90% से अधिक भारतीय पेशेवर एआई का सहारा लेंगे

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारत में 90 प्रतिशत से अधिक पेशेवर लोग वर्ष 2026 में नौकरी खोजने के लिए एआई का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। यह जानकारी प्रोफेशनल नेटवर्क प्लेटफॉर्म लिंक्डइन की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई अब सिर्फ काम को आसान बनाने का साधन नहीं रहा, बल्कि यह नौकरी चाहने वालों का आत्मविश्वास भी बढ़ा रहा है। करीब 66 प्रतिशत लोगों का मानना है कि एआई इंटरव्यू के दौरान उनका आत्मविश्वास बढ़ाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, हाइरिंग प्रोसेस में एआई के बढ़ते उपयोग, कौशल की तेजी से बदलती मांग और कड़ी प्रतिस्पर्धा के चलते 84 प्रतिशत पेशेवरों को लगता है कि वे नई नौकरी खोजने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इसके बावजूद, 72 प्रतिशत लोग 2026 में नई नौकरी की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं।

काम में एआई से 87% लोग सहज हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रिया में इसके उपयोग को लेकर भ्रम है; 77% को यह बहु–चरणीय और 66% को पहले से अधिक व्यक्तित्वहीन लगती है

हालांकि 87 प्रतिशत लोग काम पर एआई का उपयोग करने में सहज हैं, लेकिन कई लोग इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि भर्ती प्रक्रिया में एआई का कैसे उपयोग हो रहा है। लगभग 77 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हाइरिंग प्रोसेस में कई स्टेज होते हैं, जबकि 66 प्रतिशत को यह प्रक्रिया अब पहले से ज्यादा व्यक्तित्वहीन लगती है।

लिंक्डइन इंडिया न्यूज की लिंक्डइन करियर एक्सपर्ट और सीनियर मैनेजिंग एडिटर नीरजिता बनर्जी ने कहा कि एआई अब भारत के जॉब मार्केट का एक अहम हिस्सा बन चुका है। उन्होंने बताया कि एआई का सही उपयोग लोगों को यह समझने में मदद करता है कि उनके कौशल किस

तरह नौकरी के अवसरों से जुड़े हैं, और उन्हें बेहतर तैयारी करने में मदद करता है।

लिंक्डइन के आंकड़ों के अनुसार, 2022 के बाद प्रति नौकरी आवेदकों की संख्या दोगुने से अधिक हो गई है, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ी है और 74% कंपनियों को योग्य उम्मीदवार ढूंढना कठिन लग रहा है

लिंक्डइन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर एक नौकरी के लिए आवेदन करने वालों की संख्या 2022 के बाद से दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। इससे प्रतिस्पर्धा बहुत बढ़ गई है। वहीं, 74 प्रतिशत भर्ती करने वाली कंपनियों का कहना है कि सही योग्य उम्मीदवार ढूंढना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जनरेशन जेड के करीब 32 प्रतिशत लोग नए कामों या भूमिकाओं के बारे में सोच रहे हैं, जबकि 32 प्रतिशत युवा अपने मौजूदा क्षेत्र से बाहर नौकरी तलाश रहे हैं। लिंक्डइन की 'इंडिया जॉब्स ऑन द राइज' रिपोर्ट के अनुसार, प्रॉम्प्ट इंजीनियर, एआई इंजीनियर और सॉफ्टवेयर इंजीनियर इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाली नौकरियों में शामिल हैं। इसके अलावा सेल्स, ब्रांड स्ट्रेटेजी, साइबर सिक्योरिटी और एडवाइजरी सेवाओं में भी अच्छी मांग बनी हुई है।

12 जनवरी ही क्यों? जानिए राष्ट्रीय युवा दिवस का इतिहास और स्वामी विवेकानंद का समाज सुधार में योगदान

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारत और विश्व में हर वर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई जाती है। यह दिन न केवल उनके जन्मदिन का प्रतीक है, बल्कि उनकी विचारधारा, शिक्षाओं और सामाजिक दृष्टिकोण को याद करने का अवसर भी प्रदान करता है। स्वामी विवेकानंद (1863. 1902) केवल एक संत या साधु नहीं थे, बल्कि उन्होंने भारतीय युवाओं को आत्मविश्वास, साहस और नैतिक मूल्यों के महत्व से परिचित कराया। उनके विचार आज भी समाज के हर क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत हैं।

स्वामी विवेकानंद का जीवन अत्यंत प्रेरक रहा। उन्होंने अपने प्रारंभिक जीवन में ही शिक्षा, योग और वेदांत का अध्ययन किया और समाज में धार्मिक कट्टरता, अज्ञानता और सामाजिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाई। युवाओं में देशभक्ति और आत्मनिर्भरता की भावना जागृत करने में उनकी भूमिका अतुलनीय रही। भारत सरकार ने उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में घोषित कर उन्हें समर्पित किया है, ताकि हर वर्ष युवा उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा ले सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

स्वामी विवेकानंद का योगदान केवल भारत तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत और हिन्दू धर्म का प्रतिनिधित्व किया और विश्व समुदाय को भारतीय संस्कृति, योग और आध्यात्मिक मूल्यों से परिचित कराया। उनके भाषणों में धर्म, मानवता और सर्वधर्म समभाव के संदेश ने वैश्विक मंच पर भारतीय विचारों को प्रतिष्ठित किया। इसके साथ ही, उन्होंने शिक्षा, सामाजिक सुधार और मानव मूल्य पर जोर दिया, जिससे युवाओं में नैतिक जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ।

उनकी शिक्षाओं का प्रभाव समाज के कई पहलुओं में देखा जा सकता है। उन्होंने जाति और वर्ग के भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई, ग रीबी और अशिक्षा के खिलाफ

अभियान चलाया और युवाओं को सेवा, त्याग और अनुशासन के महत्व को समझाया। स्वामी विवेकानंद ने यह स्पष्ट किया कि सच्ची शक्ति और उन्नति केवल आध्यात्मिक और मानसिक विकास से संभव है, जो समाज को मजबूत और स्थिर बनाती है। उनके सुधारों ने भारतीय समाज को आधुनिक सोच और वैश्विक दृष्टिकोण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वामी विवेकानंद की विरासत आज भी जीवित है। उनके विचार और शिक्षाएँ विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, युवाओं के प्रशिक्षण केंद्रों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में पढ़ाई और अनुसरण की जाती हैं। युवा हर वर्ष उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षा, विज्ञान, व्यवसाय और सामाजिक कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। उनकी जीवन गाथा यह दर्शाती है कि कैसे व्यक्तिगत अनुशासन, आत्मविश्वास और सेवा भावना के माध्यम से समाज में स्थायी परिवर्तन लाया जा सकता है।

अंततः, स्वामी विवेकानंद जयंती केवल एक जन्मदिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह युवा शक्ति और समाज सुधार का प्रतीक बन चुकी है। यह दिन हमें उनके संदेश की याद दिलाता है कि प्रत्येक युवा में परिवर्तन लाने की क्षमता है और हर समाज तब उन्नति कर सकता है जब उसकी युवा पीढ़ी शिक्षित, आत्मनिर्भर और प्रेरित हो। उनके विचार और आदर्श आज भी भारत और विश्व में नई पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं।

ड्रोन हमलों के लिए बन रहा सीयूएएस ग्रिड, आबादी वाले क्षेत्रों में होंगी एयर डिफेंस गन

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिले अनुभवों से सबक लेते हुए भारतीय रक्षा बल हवाई खतरों, विशेषकर दुश्मन ड्रोन हमलों, से निपटने के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को नएसिरे से मजबूत कर रहे हैं। एक ओर सेना आबादी वाले क्षेत्रों में हवाई रक्षा तोपों की तैनाती पर काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार 'मिशन सुदर्शन चक्र' के तहत देशभर में एक व्यापक हवाई सुरक्षा कवचविकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

इसी क्रम में तीनों सेनाएं मिलकर एक संयुक्त काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम (सीयूएएस) ग्रिड तैयार कर रही हैं, जिससे दुश्मन या संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी और त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। सूत्रों के अनुसार, यह संयुक्त सीयूएएस ग्रिड तीनों सेनाओं– थल सेना, नौसेना और वायुसेना– द्वारा पिछले पांच से 10 वर्षों में हासिल किए गए विभिन्न काउंटर–ड्रोन सिस्टम को नेटवर्क के जरिए जोड़ेगी। यह ग्रिड भारतीय वायुसेना की इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आइएसीसीएस) जैसी मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों से अलग और स्वतंत्र होगी।

इस ग्रिड को ज्वाइंट एयर डिफेंस सेंटर्स (जेएडीसी) के माध्यम से संचालित किया जाएगा, जिसमें तीनों सेवाओं की भागीदारी होगी। इसका उद्देश्य छोटे ड्रोन और मानवरहित हवाई प्रणालियों की निगरानी करना और दुश्मन या आतंकी संगठनों द्वारा किए जा रहे ड्रोन हमलों को समय रहते निष्क्रिय करना है।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि यदि छोटे ड्रोन की निगरानी का जिम्मा मौजूदा हवाई रक्षा नेटवर्क पर डाला जाता, तो वे अत्यधिक दबाव में आ जाते। इसी कारण सीयूएएस के लिए अलग समर्पित ग्रिड विकसित की जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान सेना ने तुर्की और चीन में बने ड्रोन के जरिए भारतीय नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन तीनों सेनाओं, विशेषकर सेना की एयर डिफेंस इकाइयों, ने इन प्रयासों को विफल कर दिया। इस दौरान भारतीय सेना की एल–70 और जेडयू–23 हवाई रक्षा तोपों ने छोटे ड्रोन को भारी नुकसान पहुंचाया।

उच्च स्तर पर 'मिशन सुदर्शन चक्र' के तहत हवाई हमलों से बचाव के लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए एक समिति का गठन पहले ही किया जा चुका है। तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और एकीकरण की जिम्मेदारी चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पास है।

इतिहास के पन्नों में 12 जनवरी

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

2020 – भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को प्रतिष्ठित 'पॉली उमरीगर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

2018 – इसरो ने लॉन्च किया 100वाँ उपग्रह, एक साथ भेजे 31 सैटेलाइट्स।

2015 – कैमरून में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड में आतंकवादी संगठन बोको हराम के 143 आतंकवादी मारे गये।

2010 – भारत सरकार द्वारा नागर विमानन क्षेत्र पर आतंकी हमलो की आशंका के बीच विमान अपहरण रोधी क़ानून 1982 में मौत की सज़ा की धारा जोड़ी गई। कैरेबियाई देश हैती में आए भयंकर भूकंप में लाखों लोगों की मौत और राजधानी पोर्ट ओ प्रिंस का अधिकतर हिस्सा तबाह हो गया।

2009 – प्रसिद्ध संगीतकार ए. आर. रहमान प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब अवार्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. जयन्त कुमार ने दुनिया का सबसे पुराना उल्का पिंड क्रेटर खोजा।

2008 – कोलकाता में आग से 2500 दुकानें जल कर खाक हुई। दुनिया के सबसे बड़े फ़िल्म शो टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव की बुनियाद रखने वाले 'मुर्रे दस्ती कोहल' का निधन।

2007 – हिन्दी फ़िल्म 'रंग दे बसन्ती' बाफ़्टा के लिए नामांकित।

2006 – भारत और चीन ने हाइड्रोकार्बन पर एक महत्त्वपूर्ण सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

2004 – दुनिया के सबसे बड़े समुद्री जहाज, आरएमएस क्वीन मैरी 2 ने अपनी पहली यात्रा की शुरूआत की।

2003 – भारतीय मूल की महिला लिंडा बाबूलाल त्रिनिदाद की संसद अध्यक्ष बनीं।

2001 – भारत का इंडोनेशिया–रूस–चीन संधि से इंकार, नैफ नदी पर बांध निर्माण योजना के कारण बांग्लादेश–म्यांमार सीमा पर तनाव के बाद सेनाएँ तैनात।

1991 – अमरीकी संसद ने कुवैत में इराक के खिलाफ सैनिक कार्रवाई को मंजूरी दी।

1984 – स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के मौके पर हर वर्ष देश में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाने की घोषणा की गयी।

1950– स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 12 जनवरी 1950 में 'संयुक्त प्रांत' का नाम बदल कर 'उत्तर प्रदेश' रखा।

1934 – भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान् क्रान्तिकारी सूर्य सेन को चटगांव में फाँसी दी गयी। उन्होने इंडियन रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना की और चटगांव विद्रोह का सफल नेतृत्व किया।

1924– गोपीनाथ साहा ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त चार्ल्स ऑगस्टस टेगार्ट समझकर ग़लती से एक आदमी की हत्या कर दी। इसके बाद उसे गिरफ़्तार कर लिया गया।

1866 – लंदन में रॉयल एयरोनॉटिकल सोसायटी का गठन हुआ।

1757 – ब्रिटेन ने पश्चिम बंगाल के बंदेल प्रांत को पुर्तग़ाल से अपने कब्जे में लिया।

1708–शाहू जी को मराठा शासक का ताज पहनाया गया।

कस्तूरी हल्दी और नॉर्मल हल्दी में क्या अंतर है, जानिए जंगली हल्दी के फायदे और ये किस काम आती है

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

हल्दी दो तरह की होती है। एक सामान्य हल्दी जिसका इस्तेमाल आप और हम खाने में करते हैं और एक होती है कस्तूरी हल्दी जिसे जंगली हल्दी कहते हैं। दोनों काफी मिलती जुलती होती हैं, लेकिन दोनों हल्दी को उगाने का तरीका अलग होता है। जंगली हल्दी का उपयोग कई दवाओं और त्वचा से जुड़े नुस्खों में किया जाता है। जंगली हल्दी आसानी से नहीं मिल पाती है। आइये जानते हैं साधारण मसाले वाली हल्दी और जंगली कस्तूरी हल्दी में क्या अंतर होता है?

नॉर्मल हल्दी की खेती की जाती है। जिसमें जमीन में हल्दी उगायी जाती है और फिर इसे निकालकर सुखाया जाता है और इसका पाउडर बनाकर इस्तेमाल किया जाता है। साधारण हल्दी का रंग ज्यादा पीला और हल्की खुशबू वाली होती है। जबकि जंगली हल्दी दक्षिण एशियाई जंगलों में होती है। ये नेचुरली उगती है और इसकी कोई खेती नहीं की जाती। स्थानीय लोग इसे अपने उपयोग के लिए इकट्ठा करते हैं। इसमें मिट्टी का स्वाद और रंग काफी गहरा होता है। जंगली हल्दी में कर्क्यूमिन का लेवल काफी हाई होता है। जिससे इसके फायदे अधिक होते हैं।

कस्तूरी हल्दी का उपयोग ज्यादातर स्किन से जुड़े कॉस्मेटिक्स में किया जाता है। कस्तूरी हल्दी की खासियत ये है कि इससे स्किन को काफी फायदे मिलते हैं। कस्तूरी हल्दी त्वचा पर कोमल बनाने, रंग साफ करने, मुंहासों को कम करने, दाग–धब्बों को दूर करने और नेचुरली शाइन देने का काम करती है। कच्ची हल्दी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन को कम करते हैं। इसके अलावा, कस्तूरी

हल्दी की रासायनिक संरचना में आवश्यक तेलों और करक्यूमिन जैसे बायोएक्टिव यौगिक पाए जाते हैं जो इसे एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल और एंटी–एजिंग गुणों से भरपूर बनाते हैं।

कस्तूरी हल्दी स्किन पर लगाने के फायदे

झाईं दूर करे– पिंगमेटशन को दूर करने के लिए कस्तूरी हल्दी का उपयोग अच्छा माना गया है। इसके लिए 1 चम्मच कस्तूरी हल्दी में थोड़ा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें। इससे त्वचा की डीप क्लीनिंग होती है और रंग साफ होगा। दाग धब्बे दूर हो जाएंगे।

डार्क सर्कल हटाए– खीरे के रस को कस्तूरी हल्दी के साथ मिलाएं और हर रात आंखों के नीचे लगाएं। थकी आंखों की देखभाल के साथ–साथ काले घेरे बहुत कम हो जाएंगे।

एंटी एजिंग का काम करे– कस्तूरी हल्दी का उपयोग चेहरे पर एंटी एजिंग का काम करता है। इसे लगाने से स्किन फ्री रेडिकल्स के प्रभाव से बचती है। स्किन ग्लोइंग और शाइनी बन जाती है।

भारत ऊर्जा सप्ताह का आयोजन 27 जनवरी से गोवा में होगा

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारत ऊर्जा सप्ताह का आयोजन 27 जनवरी से गोवा में किया जाएगा। चार दिन के इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के प्रमुख और नवप्रवर्तक एक सुरक्षित, टिकाऊ और किफायती ऊर्जा भविष्य को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर जुटेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि यह कार्यक्रम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए व्यावहारिक और व्यापक उपाय विकसित करने पर केंद्रित होगा। कार्यक्रम में अमरीका, यूरोप, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया–प्रशांत क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडलों के भाग लेने की उम्मीद है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के विश्व ऊर्जा आउटलुक 2025 के अनुसार भारत अकेले 2050 तक वैश्विक ऊर्जा मांग में 23 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करेगा। यह किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है।

नए कानून में 100 प्रतिशत एफडीआई की मंजूरी और रीइंश्योरेंस में राहत से भारत के बीमा सेक्टर को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर।

संसद द्वारा बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी मिलने के बाद भारत के बीमा क्षेत्र को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। इस नए कानून से अब बीमा कंपनियों में 100 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की अनुमति मिल गई है और वैश्विक पुनर्बीमा कंपनियों के लिए नियम भी आसान कर दिए गए हैं।

इंश्योरेंस एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सुधारों से बीमा कंपनियों को पूंजी आसानी से मिलेगी, उनकी वित्तीय मजबूती बढ़ेगी और बाजार में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। इससे खासतौर पर छोटी और मध्यम बीमा कंपनियों को फायदा होगा और पूरा बीमा तंत्र मजबूत बनेगा। इस विधेयक के तहत बीमा कंपनियों में विदेशी निवेश की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके लिए इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले प्रमुख कानूनों में बदलाव किए गए हैं, जिनमें बीमा अधिनियम, 1938, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 और बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) अधिनियम, 1999 में बदलाव किए गए हैं।

नया नियम ऐसे समय में लाया गया है जब बीमा कंपनियों के लिए पूंजी से जुड़े नियम सख्त हो रहे हैं। अधिक विदेशी निवेश से कंपनियों पर धन की कमी का दबाव कम होगा और वे बेहतर तरीके से काम कर पाएंगी। केयरएज रेटिंग्स के अनुसार, इस सुधार से बीमा कंपनियों के आपस में जुड़ने और मजबूत बनने की प्रक्रिया को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे बीमा क्षेत्र और ज्यादा स्थिर हो सकेगा।

विधेयक में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। अब विदेशी पुनर्बीमा कंपनियों के लिए जरूरी न्यूनतम पूंजी को 5,000 करोड़ रुपए से घटाकर 1,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत में आना आसान हो जाएगा। इस फैसले से देश के अंदर पुनर्बीमा की क्षमता और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि जरूरी पूंजी भारत में ही रहे, जिससे स्थानीय बीमा कंपनियों को फायदा मिल सके।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की फ्रांस और लक्ज़मबर्ग यात्रा से भारत–यूरोप रिश्तों को नया आयाम

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर।

विदेश मंत्री डॉक्टर सुब्रहमण्यम जयशंकर फ्रांस और लक्ज़मबर्ग की यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौट आए हैं। यह यात्रा यूरोप के साथ भारत के बढ़ते संपर्क को दर्शाती है। विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि इस यात्रा के दौरान डॉक्टर जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और विदेश मंत्री जीन नोएल बैरोट के साथ मुलाकात की।

भारत–फ्रांस नवाचार वर्ष को देखते हुए, बैठक में नवाचार और प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और मोबिलिटी के क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गई। दोनों पक्षों के बीच रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु और समुद्री सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक घटनाक्रम पर भी विमर्श हुआ। डॉक्टर जयशंकर ने 31वें फ्रेंच एम्बेसडर कॉन्फ्रेंस में कहा कि तेज़ी से बदलते वैश्विक परि.श्य में रणनीतिक स्वायत्तता महत्वपूर्ण होगी। डॉक्टर जयशंकर अतिथि के रूप में शामिल होने वाले यूरोप से बाहर के पहले विदेश मंत्री हैं।

डॉक्टर जयशंकर प्रथम भारत–वीमर विदेश मंत्री बैठक में भी शामिल हुए। इस बैठक में फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के विदेश मंत्री भी उपस्थित थे। बैठक में भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर चर्चा की गई। डॉक्टर जयशंकर ने फ्रांस के सांसदों से भी बातचीत की।

उधर, लक्ज़मबर्ग में डॉक्टर जयशंकर ने प्रधानमंत्री ल्यूक फ्रीडेन तथा उप–प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ चर्चा की। दोनों पक्षों में राजनीतिक सहयोग, व्यापार और निवेश, वित्तीय सेवा, नवाचार, डिजिटल प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहित क्षेत्रीय तथा वैश्विक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। डॉक्टर जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा से पता चलता है कि उभरते वैश्विक परिदृश्य में भारत और यूरोप के हितों में काफी समानता है।

भारत के 'आदित्य' ने सुलझाई सौर तूफानों की पहेली, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने में की मदद

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारत के "आदित्य" ने सौर तूफानों की पहेली सुलझा दी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि आदित्य–एल1 सौर मिशन से जानकारी मिली है कि शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को कैसे प्रभावित कर सकता है।

इसरो ने बयान में कहा, सबसे गंभीर प्रभाव सौर तूफान के अशांत (टर्बुलेंट) क्षेत्र के टकराने के दौरान देखे गए। इसरो ने कहा कि यह अध्ययन अंतरिक्ष मौसम से जुड़ी घटनाओं को समझने और उनके रियल टाइम आकलन की अहमियत को रेखांकित करता है।

दिसंबर 2025 में 'एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' में प्रकाशित महत्वपूर्ण अध्ययन में इसरो के विज्ञानियों और शोध छात्रों ने अक्टूबर 2024 में पृथ्वी को प्रभावित करने वाली अंतरिक्ष की बड़ी मौसमी घटना का विस्तृत विश्लेषण किया।

इस अध्ययन में भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य–एल1 से प्राप्त डाटा के साथ–साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियानों के डाटा का इस्तेमाल किया गया, ताकि सूर्य से निकले सौर प्लाज्मा के विशाल विस्फोट के पृथ्वी पर पड़े प्रभाव को समझा जा सके।

बयान में कहा गया, अंतरिक्ष मौसम (स्पेस वेदर) से तात्पर्य अंतरिक्ष में उत्पन्न उन परिस्थितियों से है, जो सूर्य

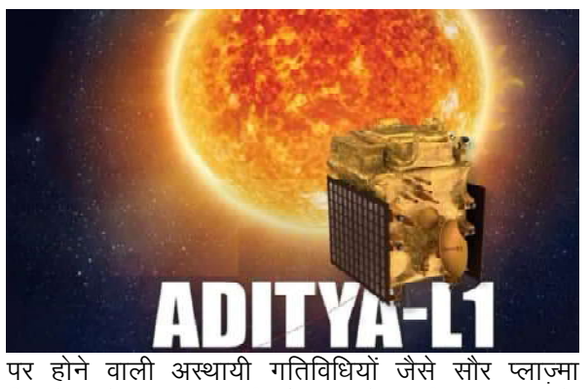

पर होने वाली अस्थायी गतिविधियों जैसे सौर प्लाज़्मा विस्फोट के कारण बनती हैं। इससे पृथ्वी पर उपग्रहों, संचार एवं दिशा सूचक सेवाओं तथा विद्युत ग्रिड अवसंरचना प्रभावित होती हैं।

इसरो के अनुसार सौर तूफान के टर्बुलेंट क्षेत्र ने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अत्यधिक रूप से संकुचित कर दिया, जिससे वह असामान्य रूप से पृथ्वी के बहुत करीब आ गया और कुछ समय के लिए भू–स्थिर कक्षा (जियोस्टेशनरी आर्बिट) में स्थित कुछ उपग्रह उनके संपर्क में आ गए। ऐसी घटना केवल अत्यंत गंभीर अंतरिक्ष मौसम घटनाओं के दौरान ही होती है।

खेल मंत्री ने ब्राजील के पूर्व फुटबॉलर गिल्बर्टो डिसिल्वा के साथ फीफा विश्व कप 2026 ट्रॉफी का अनावरण किया

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने ब्राजील के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी गिल्बर्टो डिसिल्वा के साथ कल नई दिल्ली में फीफा विश्व कप 2026 ट्रॉफी का अनावरण किया। इसके साथ ही इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी की भारत में तीन दिन की यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस दौरान देशभर के फुटबॉल प्रेमियों को नजदीक से यह ट्रॉफी देखने का अवसर मिलेगा।

फीफा विश्व कप ट्रॉफी दो दिन तक दिल्ली में रहेगी। इसके बाद इसे एक दिन के लिए गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी संयुक्त रूप से अमरीका, कनाडा और मैक्सिको कर रहे हैं।

विश्व कप 11 जून से शुरू हो रहा है। प्रतियोगिता में पहली बार 48 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार–चार टीमों के 12 समूहों में बांटा जाएगा।

समंदर किनारे बनेगी 'न्यूक्लियर दीवार'! भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का 'परमाणु कवच' देगा 24×7 फुल पावर

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर।

भारतीय नौसेना अपने अत्यधिक संवेदनशील नौसैनिक अड्डों को बिजली कटौती के खतरे से बचाने के लिए एक क्रांतिकारी समाधान पर विचार कर रही है. नौसेना अब भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा विकसित किए जा रहे कॉम्पैक्ट परमाणु रिएक्टरों को अपने बेस पर तैनात करने की संभावना तलाश रही है. ये छोटे रिएक्टर नौसैनिक अड्डों को स्वतंत्र और निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करेंगे, जिससे राष्ट्रीय ग्रिड पर निर्भरता कम होगी और ऑपरेशनल सुरक्षा सुनिश्चित होगी.

नौसैनिक अड्डे जैसे कि जहाज निर्माण या मरम्मत सुविधाएं, मिसाइल भंडारण स्थल और एडवांस कम्युनिकेशन केंद्र, लगातार और स्थिर बिजली आपूर्ति पर निर्भर रहते हैं. अगर राष्ट्रीय बिजली ग्रिड (National Power Grid) में कोई बड़ी विफलता आती है या दुश्मन द्वारा ग्रिड को निशाना बनाया जाता है, तो इन ठिकानों का काम पूरी तरह से ठप्प हो सकता है. इसी रणनीतिक खतरे को टालने के लिए, भारतीय नौसेना ने BARC के साथ मिलकर छोटे परमाणु रिएक्टरों के इस्तेमाल की संभावनाओं को देखना शुरू कर दिया है.

BARC लंबे समय से छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर काम कर रहा है, जो बड़े परमाणु रिएक्टरों के मुकाबले सुरक्षित, सस्ते और जल्द स्थापित किए जा सकते हैं. नौसेना की योजना है कि इन कॉम्पैक्ट रिएक्टरों को बेस के भीतर ही तैनात किया जाए, ताकि उन्हें ग्रिड से पूरी तरह अलग किया जा सके. यह न सिर्फ ब्लैकआउट की समस्या को हल करेगा, बल्कि नौसेना के ठिकानों को पर्यावरण के

अनुकूल और कार्बन–मुक्त बिजली भी प्रदान करेगा.

इन रिएक्टरों से नौसैनिक बेस पूरी तरह से राष्ट्रीय ग्रिड से स्वतंत्र हो जाएंगे. इसका मतलब है कि युद्ध या संकट के समय भी उनका काम नहीं रुकेगा. SMR डिजाइन में निष्क्रिय सुरक्षा सुविधाएं होती हैं. इसका मतलब है कि आपात स्थिति में, उन्हें ऑपरेट करने के लिए बिजली की जरूरत नहीं होती और वे खुद–ब–खुद सुरक्षित ढंग से बंद हो जाते हैं.

इतना ही नहीं, ये रिएक्टर कॉम्पैक्ट होते हैं और इन्हें सीमित जगह में भी सुरक्षित रूप से स्थापित किया जा सकता है, जो तटीय नौसैनिक अड्डों के लिए बेस्ट है.

एडवांस कम्युनिकेशन और रडार सिस्टम को लगातार बिजली मिलेगी, जिससे समुद्री निगरानी में कोई रुकावट नहीं आएगी. साथ ही, पनडुब्बियों और जंगी जहाजों को बंदरगाह पर तेजी से चार्ज करने और उनके सिस्टम को पूरी तरह सक्रिय रखने के लिए स्थिर और बड़ी मात्रा में बिजली उपलब्ध रहेगी

बिना खाद–पानी के उगती है ये सब्जी, कीमत सुन हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

बिना खाद–पानी के हरी सब्जियों को उगाना मुश्किल है. लेकिन एक सब्जी ऐसी है जिसे बिना खाद –पानी के आसानी से उगाया जा सकता है. हरी सब्जियां वैसे तो सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती हैं लेकिन कुछ एक हरी सब्जियां ऐसी भी होती हैं जिनमें औषधीय गुण मौजूद होते हैं. ऐसी ही एक सब्जी है केर–सांगरी. केर–सांगरी पारंपरिक तौर पर राज्सथान से जुड़ी हुई है. पारंपरिक राजस्थानी खाना इसके बिना अधूरा रहता है. केर–सांगरी की खासियत है कि इसे आसानी से बिना खाद–पानी के भी उगाया जा सकता है. तो चलिए बात कर लेतें हैं कैसे होती है इसकी खेती और किस तरह किसानों को होता है मुनाफा.

बात करें केर–सांगरी की तो ये मारवाड़ की एक ऐसी सब्जी है जिसकी खेती करने की जरूरत नहीं होती. जी हां, केर की झाड़ियां रेतिली मिट्टी और जंगलों में खुद ही उग जाती है. साथ ही केर–सांगरी कम पानी और बीना खाद के भी जिंदा रहती है.लेकिन बाजार में बढ़ती मांग के साथ ही राजस्थान से बाहर के किसान अब केर–सांगरी की खेती इसके पौधों को ग्राटिंग विधि से करने लगे हैं. बता दें कि इस विधि से तैयार किए गए पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत होती है.

केर–सांगरी का पेड़ भारत में ज्यादातर राजस्थान में पाया जाता है. इसके पौधे पर छोटे–छोटे हरे फल आते हैं, जिनका इस्तेमाल सब्जी से लेकर अचार बनाने के लिए किया जाता है. क्योंकि सांगरी सूखी जगहों पर ही पाई जाती है, इसलिए इसे 'डेजर्ट बीन' के नाम से भी जाना जाता है. वहीं इसे सुखाकर आयुर्वेदिक और घरेलू उपचार

के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है.

केर–सांगरी ऐक ऐसी सब्जी है जो कि औषधीय गुणों से भरपूर है. कार–सेंगरी में विटामिन ए, कैल्शियम, आयरन और कार्बोहाइड्रेट होता है. यह एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में भी काम करता है. इसके सेवन से बहुत से स्वास्थ्य संबंधी फायदे भी होते हैं. अगर आप लंबे समय से सर्दी–खांसी से परेशान हैं तो इसकी डंठल का चूर्ण बनाकर खाने से आराम मिलता है. केर–सांगरी को खाने से खून की कमी और हड्डियों में दर्द जैसी समस्या में आराम मिलता है.

कीमत के लिहाज से केर–सांगरी बहुत ही महंगी सब्जी है. इसकी कीमत की बात की जाए तो यह 100 से 200 रुपये किलो तक बिकती है. लेकिन बड़े शहरों में पहुंचते–पहुंचते इसकी कीमत में उछाल आता है और ये 400 से 500 रुपये प्रति किलो बिकने लगती है. सब्जी के अलावा केर–सांगरी को लोग सुखाकर भी खाते हैं. आपको जान कर हैरानी होगी कि सूखने के बाद सांगरी की कीमत 5 गुना बढ़ जाती है और बाजार में इसकी कीमत 1200 से 1500 तक पहुंच जाती है.

अब नींद के डाटा से पता चलेगा 100 से ज्यादा बीमारियों का खतराः शोधकर्ताओं ने विकसित किया नया एआई मॉडल

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

शोधकर्ताओं ने एक नया और स्मार्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल बनाया है। जो सिर्फ आपकी नींद के डाटा के आधार पर यह बता सकता है कि भविष्य में आपको 100 से ज्यादा बीमारियों का खतरा है या नहीं। इस एआई मॉडल का नाम SleepFM (स्लीपएफएम) रखा गया है। इसे स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी समेत कई शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने मिलकर तैयार किया है। इस मॉडल को करीब 65,000 लोगों के लगभग 6 लाख घंटे की नींद से जुड़े डाटा पर ट्रेन किया गया है।

नेचर मेडिसिन में प्रकाशित शोध के मुताबिक, पहले इस एआई को नींद से जुड़े सामान्य कामों के लिए परखा गया। जैसे– नींद के अलग–अलग चरणों की पहचान और स्लीप एपनिया की गंभीरता समझना। इसके बाद, नींद के डाटा को अस्पतालों के हेल्थ रिकॉर्ड से मिलाकर देखा गया। शोधकर्ताओं ने 1,000 से ज्यादा बीमारियों का विश्लेषण किया। इनमें से 130 बीमारियों की भविष्यवाणी यह मॉडल सिर्फ नींद के डाटा से काफी सटीक तरीके से कर पाया।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्लीप मेडिसिन के प्रोफेसर और इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक इमैनुएल मिग्नॉट ने कहा, "नींद के दौरान शरीर से बहुत सारे अहम संकेत मिलते हैं। लगभग 8 घंटे तक शरीर एक स्थिर अवस्था में रहता है, जिससे बेहद समृद्ध और उपयोगी डाटा मिलता है"। SleepFM

पॉलीसोम्नोग्राफी डाटा का इस्तेमाल करता है, जिसे नींद की जांच का गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। इसमें ये कारक शामिल होता है–

दिमाग की गतिविधि, दिल की धड़कन, मांसपेशियों की हलचल, सांस लेने का पैटर्न, पल्स और ऑक्सीजन स्तर।

शोध के अनुसार, यह मॉडल खासतौर पर इन बीमारियों के लिए काफी सटीक साबित हुआः कैंसर, गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताएं, दिल और रक्त संचार से जुड़ी बीमारियां, मानसिक रोग, पार्किंसंस जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याएं, स्ट्रोक और हार्ट फेलियर आदि।

शोधकर्ताओं का कहना है कि सिर्फ एक रात की नींद का डाटा भी गंभीर बीमारियों, जैसे दिल का दौरा, डिमेंशिया, किडनी रोग और जान जाने के जोखिम तक का अंदाजा लगाने में मदद कर सकता है।

देश के वैज्ञानिकों ने विकसित की ठंडे परमाणुओं के घनत्व को बिना प्रभावित किए मापने की तकनीक

नई दिल्ली, 11 जनवरी।

भारतीय वैज्ञानिकों ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे ठंडे परमाणुओं (कोल्ड एटम्स) के स्थानीय घनत्व को वास्तविक समय में बिना उन्हें प्रभावित किए मापा जा सकता है। यह खोज क्वांटम कंप्यूटिंग और क्वांटम सेंसिंग जैसे भविष्य के अनुप्रयोगों के लिए बेहद अहम साबित हो सकती है, जहां परमाणुओं और उनके क्वांटम अवस्था का वास्तविक समय में पता लगाना बहुत जरूरी है। यह शोध दुनिया में क्वांटम भौतिकी में बड़ा बदलाव लाएगा।

विज्ञान एवं प्रद्यौगिकी मंत्रालय के अनुसार परंपरागत कोल्ड एटम प्रयोगों में परमाणुओं को लेजर कूलिंग और ट्रैपिंग तकनीकों से लगभग शून्य तापमान तक ठंडा किया जाता है। इस अवस्था में उनके क्वांटम गुण अधिक स्पष्ट होते हैं। अब तक इन परमाणुओं की स्थिति जानने के लिए अवशोषण और लोरेसेंस इमेजिंग जैसी विधियां प्रयोग में लाई जाती थीं लेकिन इन तकनीकों की सीमाएं हैं। घने परमाणु समूहों में अवशोषण इमेजिंग असफल रहती है, वहीं लोरेसेंस इमेजिंग में अधिक समय लगता है और दोनों ही विधियां अक्सर परमाणुओं की अवस्था को बदल देती हैं।

रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) के वैज्ञानिकों ने रमन ड्रिवन स्पिन नॉइज स्पेक्ट्रोस्कोपी (आरडीएसएनएस) नामक तकनीक प्रदर्शित की है। यह तकनीक स्पिन नॉइज़ स्पेक्ट्रोस्कोपी को रमन बीम्स के साथ जोड़ती है। इसमें लेजर प्रकाश के ध्रुवीकरण में होने वाले प्राकृतिक उतार–चढ़ाव से परमाणुओं के स्पिन का पता लगाया जाता है और दो अतिरिक्त लेजर बीम्स परमाणुओं को समीपवर्ती स्पिन अवस्थाओं के बीच ले जाते हैं।

इस तकनीक से सिग्नल लगभग दस लाख गुना तक बढ़ जाता है। मात्र 0.01 मिमीङ के क्षेत्र में, जहां लगभग 10,000 परमाणु होते हैं, स्थानीय घनत्व का सीधा मापन संभव हो जाता है। आरआरआई की टीम ने पोटैशियम परमाणुओं पर यह तकनीक आजमाई और पाया कि परमाणु समूह का केंद्रीय घनत्व एक सेकंड में स्थिर हो गया, जबकि लोरेसेंस से कुल परमाणु संख्या मापने में लगभग दोगुना समय लगा।

आरआरआई की शोध सहायक बर्नाडेट वरशा एफजे और भाग्यश्री दीपक बिदवाई ने बताया कि यह तकनीक गैर–आक्रामक है, क्योंकि इसमें प्रयुक्त प्रोब बीम कम शक्ति पर और दूर–डिट्यून पर काम करता है। इससे माइक्रोसेकंड स्तर पर भी कुछ प्रतिशत की सटीकता हासिल की जा सकती है।

पीएचडी शोधार्थी सयारी ने कहा कि वास्तविक समय में गैर–विनाशकारी इमेजिंग विधियां क्वांटम सेंसिंग और कंप्यूटिंग के लिए बेहतरीन हैं। यह तकनीक सूक्ष्म घनत्व उतार–चढ़ाव को पकड़कर कई–बॉडी डायनेमिक्स को उजागर करती है और सैद्धांतिक मॉडलों को परखने में मदद करती है।

टीम ने आरडीएसएनएस से प्राप्त स्थानीय घनत्व प्रोफाइल की तुलना लोरेसेंस इमेज पर लागू इनवर्स एबेल ट्रांसफॉर्म से की और पाया कि दोनों में उल्लेखनीय समानता है। खास बात यह है कि जहां एबेल ट्रांसफॉर्म अक्षीय समरूपता पर निर्भर करता है, वहीं आरडीएसएनएस असममित या गतिशील परमाणु समूहों में भी कारगर है।